



Vigyan Ratna / विज्ञान रत्न



स्व. प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर (मरणोपरांत)

Late Prof. Jayant Vishnu Narlikar (Posthumously)

Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics, Pune

पद्म विभूषण स्वर्गीय प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर एक सुप्रसिद्ध भारतीय खगोलभौतिकी विशेषज्ञ तथा ब्रह्मांड विशेषज्ञ थे, जो ब्रह्मांड विज्ञान में अपने अभूतपूर्व कार्यों के लिए विख्यात हैं। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण और सामग्री सृजन को एकीकृत करने हेतु हॉयल-नार्लीकर थ्योरी विकसित की, जिससे 1960 के दशक में स्टीडी-स्टेट यूनिवर्स के लिए एक रूपरेखा प्राप्त हुई। प्रोफेसर नार्लीकर ने फ्रेड हॉयल और जेफ्री बर्बिज के साथ मिलकर क्वासी-स्टीडी स्टेट कॉस्मोलॉजी मॉडल का प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो कॉस्मिक बैकग्राउंड रेडिएशन और गैलक्सी फार्मेशन को एक अलग ढंग से समझने में सहायता करता है। पुणे स्थित अंतर - विश्वविद्यालय केंद्र : खगोलविज्ञान और खगोलभौतिकी के संस्थापक- निदेशक के तौर पर उन्होंने भारत में एक विश्व स्तरीय अनुसंधान और शिक्षा केंद्र स्थापित करने में सहायता की।

Padma Vibhushan Late Prof. Jayant Vishnu Narlikar was a renowned Indian astrophysicist and cosmologist known for his ground-breaking work in cosmology and developed the Hoyle–Narlikar theory to unify gravitation and matter creation, providing a framework for a steady-state universe in the 1960s. Prof. Narlikar with Fred Hoyle and Geoffrey Burbidge, proposed the Quasi-Steady State Cosmology model that helps in explaining cosmic background radiation and galaxy formation in a different way. As the founder director of the Inter University Centre for Astronomy and Astrophysics, Pune, he helped establishing a world-class research and education hub in India.



विज्ञान श्री / Vigyan Shri

कृषि विज्ञान / Agricultural Science



डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह / Dr Gyanendra Pratap Singh

ICAR-National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi

डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, एक विशिष्ट वैज्ञानिक और गेहूं प्रजनक हैं, जिन्होंने भारत की खाद्य सुरक्षा एवं निर्यात क्षमता की दिशा में गेहूं की चार मेगा किस्मों के विकास के लिए असाधारण वैज्ञानिक योगदान दिया है। डॉ. सिंह का शोध मुख्यतः भारत में गेहूं के सुधार हेतु गर्मी और सूखा पड़ने की सहिष्णुता पर केंद्रित था और वह मार्कर असिस्टेड रिकरेंट सेलेक्शन तथा प्रिंसीजन फीनोटाइपिंग से संबंधित परियोजनाओं में प्रमुख प्रजनक रहे हैं।

Dr Gyanendra Pratap Singh, a distinguished scientist and wheat breeder made exceptional scientific contribution for the development of four mega varieties of wheat towards food security and export potential from India. Dr Singh's research primarily focused on heat and drought tolerance for wheat improvement in India and was the main breeder in the projects on Marker Assisted Recurrent Selection and Precision Phenotyping.

परमाणु ऊर्जा/ Atomic Energy



डॉ. यूसुफ मोहम्मद सेख / Dr Yusuf Mohammad Seikh

Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai

डॉ. यूसुफ मोहम्मद सेख, न्यूट्रॉन और सिंक्रोट्रॉन बीमलाइन विकसित करके नाभिकीय अनुसंधान रिएक्टरों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले एक प्रमुख वैज्ञानिक हैं। उन्होंने चुम्बकीय सामग्रियों और मैग्नेटो कैलोरी प्रभाव को प्रदर्शित करने वाली अतिचालकता (सुपरकंडक्टिविटी), जो अगली पीढ़ी की रेफ्रिजरेशन प्रणालियों को विकसित करने हेतु सर्वोपरि हैं, के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

Dr Yusuf Mohammad Seikh, a leading scientist has made significant contributions to nuclear research reactors by developing neutron and synchrotron beamlines. He also made significant contributions in the field of magnetic materials and in the understanding of superconductivity that exhibits magneto-calorie effect which are paramount for developing next generation refrigeration systems.



जीव विज्ञान / Biological Sciences

डॉ. कुमारसामी थंगराज / Dr Kumarasamy Thangaraj

CSIR-Centre for Cellular and Molecular Biology, Hyderabad



डॉ. कुमारसामी थंगराज एक प्रसिद्ध आनुवंशिकीविद् हैं और मानव रोगों को समझने के लिए सभी जीनोमों की डीएनए सीक्वेंसिंग में परिवर्तनकारी प्रगति के लिए विख्यात हैं। उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों ने भारत की जन-इतिहास संबंधी समझ को बढ़ाया है और भारत में रोग संवेदनशीलता एवं बांझपन को समझने जैसे महत्वपूर्ण चिकित्सीय निहितार्थ प्रस्तुत किए हैं।

Dr Kumarasamy Thangaraj, a renowned geneticist and recognised for transformative advances in DNA sequencing of complete genomes for understanding human diseases. His scientific achievements deepened the understanding of the peopling history of India and carries important clinical implications like understanding disease susceptibility and infertility in India.

रसायन विज्ञान / Chemistry

प्रो. तलाप्पिल प्रदीप / Prof. Thalappil Pradeep

Indian Institute of Technology Madras, Chennai



प्रो. तलाप्पिल प्रदीप एक प्रख्यात रसायनज्ञ हैं, जिन्होंने भारत में कीटनाशक और आर्सेनिक निष्कासन हेतु संधारणीय एवं किफायती जल शोधन प्रणाली में अनुप्रयुक्त होने वाली “स्वदेशी जल प्रौद्योगिकियों” हेतु आणविक सामग्रियों के अंतर्गत महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि अर्जित की है। उन्होंने अंतरिक्ष रसायन विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण बर्फीली सतहों पर आणविक समूहों एवं अभिक्रियाओं को समझने में भी उत्कृष्ट योगदान दिया है।

Prof. Thalappil Pradeep, an eminent chemist with significant scientific achievement in molecular materials for “Indigenous Water Technologies” with application in sustainable and affordable water purification systems for pesticide and arsenic removal in India. He also made outstanding contributions to the understanding of molecular clusters and reactions on ice surfaces significant to space chemistry.



अभियांत्रिकी विज्ञान/ Engineering Sciences

प्रो. अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित / Prof. Aniruddha Bhalchandra Pandit

Institute of Chemical Technology, Mumbai



प्रो. अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित, रासायनिक उद्योगों के लिए कैविटेशनल तथा मल्टीफेज रिएक्टर और बबल डायनामिक्स के क्षेत्र में एक आविष्कारक एवं नवोन्मेषक हैं। सूक्ष्मजीवी कोशिकाओं/जीवाणु विघटन हेतु विकसित उनकी नवीन विधि पारंपरिक औद्योगिक अनुप्रयोगों की तुलना में अत्यधिक ऊर्जा-दक्ष है।

Prof. Aniruddha Bhalchandra Pandit, is an inventor and innovator in the field of cavitation and multiphase reactors and bubble dynamics for chemical industries. His novel method for the disruption of the microbial cells / bacteria is highly energy-efficient in comparison with conventional techniques for industrial applications.

पर्यावरण विज्ञान / Environmental Science

डॉ. एस. वेंकट मोहन / Dr S. Venkata Mohan

CSIR - National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur



डॉ. एस. वेंकटा मोहन पर्यावरण बायोइंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक अग्रदूत हैं, जिन्होंने अपशिष्ट जल शोधन, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत संसाधन उपयोग में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। बायोहाइड्रोजन, जैव-आधारित ईंधनों और चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था में उनके योगदान व्यापक स्तर पर लागू होने वाले सतत पर्यावरणीय समाधानों के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देते हैं।

Dr S. Venkata Mohan is a pioneer in Environmental Bioengineering, transforming waste water treatment, renewable energy, and sustainable resource use. His contributions to biohydrogen, biobased fuels, and circular bioeconomy underscore a commitment to scalable, sustainable environmental solutions.



गणित और कंप्यूटर विज्ञान / Mathematics and Computer Science



प्रो. महान महाराज / Prof. Mahan Mj

Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai

प्रो. महान महाराज एक अग्रणी गणितज्ञ हैं जिन्होंने ज्यामेट्रिक ग्रुप थ्योरी, लो-डाइमेंशनल टोपोलॉजी और कॉम्प्लेक्स ज्यामेट्री, प्रॉबेबिलिटी एवं डायनेमिकल सिस्टम से उनके अंतः सम्बन्धों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। हाइपरबोलिक 3-मैनीफ़ोल्ड्स के अध्ययन हेतु थर्स्टन प्रोग्राम में उन्होंने एक सेंट्रल कंजेक्चर को स्थापित किया है।

Prof. Mahan Mj, a leading mathematician has made outstanding contributions to geometric group theory, low-dimensional topology and their interconnections with complex geometry, probability, and dynamical systems. He established a central conjecture in the Thurston program to study hyperbolic 3-manifolds.



अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी / Space Science and Technology



श्री जयन एन. / Shri Jayan N.

ISRO - Department of Space, Bengaluru

श्री जयन एन., एक क्रायोजेनिक अभियंता और वैज्ञानिक हैं जिन्होंने इसरो द्वारा प्रक्षेपण यान के भारी भार वहन हेतु उपयोग किए जाने वाले क्रायोजेनिक इंजन के विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है। उन्होंने रीजेनेरेटिव कूलिंग टेक्नोलॉजीज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

Shri Jayan N., a cryogenic engineer and scientist made exceptional contributions in the development of Cryogenic Engine used for heavy lift of launch vehicle by ISRO. He also contributed significantly in the development of regenerative cooling technologies.



विज्ञान युवा- शांति स्वरूप भटनागर / Vigyan Yuva- Shanti Swarup Bhatnagar

कृषि विज्ञान / Agricultural Science



डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती / Dr Jagadis Gupta Kapuganti

BRIC-National Institute of Plant Genome Research, New Delhi

डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती ने खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों में नाइट्रिक ऑक्साइड सिग्नलिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। फलों और सब्जियों की निधानी आयु बढ़ाने की उनकी नवीन प्रौद्योगिकी से किसान, उद्योग और समाज सभी लाभान्वित हो रहे हैं।

Dr Jagadis Gupta Kapuganti made significant contributions in the field of Nitric Oxide Signalling in plants for food security. His innovative technology for enhancement of shelf-life of fruits and vegetables benefits to farmers, industries and society.



डॉ. सतेन्द्र कुमार मंगरौठिया / Dr Satendra Kumar Mangrauthia

ICAR-Indian Institute of Rice Research, Hyderabad

डॉ. सतेन्द्र कुमार मंगरौठिया ने उपज वृद्धि, नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और तनाव सह्यता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए चावल जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में भारत में प्रथम जीनोम-एडिटेड सांबा महसूरी चावल के विकास को सम्मिलित किया गया है।

Dr Satendra Kumar Mangrauthia made significant contributions to rice biotechnology, focusing on yield enhancement, nitrogen use efficiency, and stress tolerance. His major achievement includes developing the first genome-edited Samba Mahsuri rice in India.



जीव विज्ञान / Biological Sciences

प्रो. देबार्का सेनगुप्ता / Prof. Debarka Sengupta

Indraprastha Institute of Information Technology, New Delhi



प्रो. देबार्का सेनगुप्ता ने जीनोमिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कैंसर जीवविज्ञान के अंतः सम्बन्धी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सिंगल-सेल ट्रांसक्रिप्टोमिक्स पर उनके कार्य ने दुर्लभ कोशिकाओं की पहचान, औषधि प्रतिक्रिया की पूर्वानुमान क्षमता और ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में कैंसर बायोमार्कर की खोज को संभव बनाया है।

Prof. Debarka Sengupta made significant contributions at the interface of genomics, artificial intelligence, and cancer biology. His work on single cell transcriptomics has enabled rare cell detection, drug response prediction, and cancer biomarker discovery in the field of oncology.

डॉ. दीपा आगाशे / Dr Deepa Agashe

National Centre for Biological Sciences - TIFR, Bengaluru



डॉ. दीपा आगाशे ने आणविक विकास और अनुकूली प्रतिक्रिया की समझ को बढ़ाते हुए परिवर्तनवादी जीवविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका अनुसंधान कार्य कोशिकीय तनाव के दौरान समान उत्परिवर्तनों के कार्यात्मक परिणामों के संबंध में नवीन जानकारी प्रदान करता है।

Dr Deepa Agashe made contributions in the field of evolutionary biology focusing on deepening the understanding of molecular evolution and adaptive responses. Her research work provides novel insights into functional consequences of synonymous mutations during cellular stress.



रसायन विज्ञान / Chemistry

डॉ. दिव्येंदु दास / Dr Dibyendu Das

Indian Institute of Science Education and Research, Kolkata

डॉ. दिव्येंदु दास ने चिकित्सीय नैदानिकी और उत्प्रेरक क्रियाओं के लिए सिस्टम्स केमिस्ट्री एवं पेप्टाइड नैनोस्ट्रक्चर्स के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। “डीनोवो सिन्थिसिस ऑफ लाइफ” की दिशा में उनके योगदान ने स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में नवीन मार्ग प्रशस्त किए हैं।

Dr Dibyendu Das made contributions in the field of systems chemistry and peptide nanostructures for medical diagnostics and catalysis. His contributions towards “denovo synthesis of life” lead to newer avenues in Healthcare sector.

पृथ्वी विज्ञान / Earth Science

डॉ. वलियूर रहमान / Dr Waliur Rahaman

MoES - National Centre for Polar and Ocean Research, Goa

डॉ. वलियूर रहमान ने आइसोटोप जियोकेमिस्ट्री, पैलियोक्लाइमेटोलॉजी और क्रायोस्फेरिक स्टडीज़ के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका कार्य वैश्विक समुद्र स्तर में वृद्धि, प्रदूषण मूल्यांकन, महासागरीय मॉनीटरिंग और जलवायु नीति निर्माण से संबंधित है।

Dr Waliur Rahaman made significant contributions in the field of isotope geochemistry, paleoclimatology, and cryospheric studies. His work relates to global sea level rise, pollution assessment, ocean monitoring, and climate policy development.



अभियांत्रिकी विज्ञान / Engineering Sciences

प्रो. आर्कोप्रवा बासु / Prof. Arkaprava Basu

Indian Institute of Science, Bengaluru



प्रो. आर्कोप्रवा बासु कंप्यूटर आर्किटेक्चर के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित अनुसंधानकर्ता हैं। उन्होंने एआई एमएल कम्प्यूटिंग के अंतर्गत जीपीयू एवं सीपीयू के लिए प्रभावी स्मृति प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

Prof. Arkaprava Basu, a leading researcher in the field of computer architecture. His significant contributions toward efficient memory management for GPUs & CPUs for AI ML computing.



गणित और कंप्यूटर विज्ञान / Mathematics and Computer Science



प्रो. सब्यसाची मुखर्जी / Prof. Sabyasachi Mukherjee

Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai

प्रो. सब्यसाची मुखर्जी ने जटिल विश्लेषण के पारंपरिक क्षेत्र तथा कंफॉर्मल डायनेमिक्स में इसके आधुनिक निहितार्थों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने एंटीहोलोमॉर्फिक डायनेमिक्स के पहलुओं को समझने हेतु क्वाड्रेचर डोमेन के संदर्भ में स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होने वाले श्वार्ज रिफ्लेक्शन का उपयोग किया जो उनसे जुड़ा एक विशिष्ट और नवीन योगदान है।

Prof. Sabyasachi Mukherjee made significant contribution in the classical area of complex analysis and its modern ramifications in conformal dynamics. The use of Schwarz reflections, that naturally occur in the setting of quadrature domains, to understand aspects of antiholomorphic dynamics is novel to his credit.



प्रो. श्वेता प्रेम अग्रवाल / Prof. Shweta Prem Agrawal

Indian Institute of Technology Madras, Chennai

प्रो. श्वेता प्रेम अग्रवाल ने क्रिप्टोग्राफी के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं मूलभूत योगदान दिए हैं। गणितीय संरचनाओं में उनके कार्य क्लासिकल और क्वांटम दोनों क्षेत्रों में क्रिप्टोग्राफी की क्षमताओं को संवर्धित करते हैं।

Prof. Shweta Prem Agrawal has made pioneering and fundamental contributions in the area of cryptography. Her works in mathematical structures enhances the capabilities in cryptography, in the classical & quantum domain.



चिकित्सा / Medicine

डॉ. सुरेश कुमार / Dr Suresh Kumar

Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh



डॉ. सुरेश कुमार शिशु चिकित्सा एवम् गहन देखभाल विशेषज्ञ हैं। उनके अंतराक्षेपीय अनुसंधान कार्य के माध्यम से यादृच्छिक रूप से नियंत्रित एक महत्वपूर्ण परीक्षण किया गया जिसमें बाल्यावस्थित सेप्सिस, मल्टीसिस्टमिक इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम और बच्चों में देखे जाने वाले कंवलजन्स को कम करने में प्रोबायोटिक्स के महत्व को दर्शाया गया है।

Dr Suresh Kumar is a pediatric intensivist and critical care specialist by profession. His interventional research work led to an important randomized controlled trial showing the importance of probiotics in ameliorating childhood sepsis, multisystemic inflammatory syndrome and convulsions in children.



भौतिक विज्ञान / Physics



प्रो. अमित कुमार अग्रवाल / Prof. Amit Kumar Agarwal

Indian Institute of Technology, Kanpur

प्रो. अमित कुमार अग्रवाल ने क्वांटम कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स की समझ को सैद्धांतिक ज्ञानाधार पर समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका नॉनलीनियर ट्रांसपोर्ट तथा ऑप्टिकल रिस्पॉन्स पर आधारित अनुसंधान कार्य क्वांटम घटनाओं एवं भावी प्रौद्योगिकियों के लिए नवीन प्रतिमान स्थापित करता है।

Prof. Amit Kumar Agarwal made significant contribution in advancing the theoretical knowledge base in understanding Quantum condensed matter physics. His research on nonlinear transport and optical responses establishes new paradigms for quantum phenomena and futuristic technologies.



प्रो. सुहृद श्रीकांत मोरे / Prof. Surhud Shrikant More

Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics, Pune

प्रो. सुहृद श्रीकांत मोरे ने ब्रह्माण्ड विज्ञान तथा आकाशगंगा निर्माण के अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके द्वारा विकसित सांख्यिकीय विश्लेषण विधियाँ गुरुत्वीय तरंग संबंधी घटनाओं के आसपास आकाशगंगाओं के समूहन के स्वरूप का वैज्ञानिक विश्लेषण करने हेतु व्यापक रूप से प्रयुक्त होती हैं।

Prof. Surhud Shrikant More has made significant contribution to cosmology and galaxy formation. The statistical methods developed by him are used to analyse clustering phenomena of galaxies around gravitational wave events.



अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी / Space Science and Technology



श्री अंकुर गर्ग / Shri Ankur Garg

ISRO - Space Applications Centre, Bengaluru

श्री अंकुर गर्ग ने सैटेलाइट डेटा प्रोसेसिंग और रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके शोध कार्य ने अंतरिक्ष-आधारित सर्वेलांस तथा अन्य नागरिक अनुप्रयोगों के लिए सैटेलाइट इमेजरी उत्पादों की सुलभता और गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

Shri Ankur Garg has significantly contributed towards satellite data processing and remote sensing. His research work improves the accessibility and quality of satellite imagery products for applications in space based surveillance and other civilian applications.



प्रौद्योगिकी और नवाचार / Technology & Innovation



प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम / Prof. Mohanasankar Sivaprakasam

Indian Institute of Technology Madras, Chennai

प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम ने जैवचिकित्सीय उपकरणन और चिकित्सीय उपकरण/नैदानिकी के क्षेत्र में प्रभावशाली योगदान दिया है। मोतियाबिंद सर्जरी, आंखों की जांच, इन विट्रो इम्यूनोथेरेपी और वायरलेस पेशेंट मॉनीटरिंग के क्षेत्र में उनका वैज्ञानिक योगदान उल्लेखनीय है।

Prof. Mohanasankar Sivaprakasam made impactful contributions in the field of biomedical instrumentation and medical devices / diagnostics. His scientific contributions to the field of cataract surgery, ophthalmic screening, in-vitro immunotherapy and wireless patient monitoring are noteworthy.



विज्ञान टीम / Vigyan Team

कृषि विज्ञान / Agricultural Science



टीम-अरोमा मिशन सीएसआईआर / Team- Aroma Mission CSIR

सीएसआईआर-सीमैप एक नोडल लैब के तौर पर तथा सम्बद्ध सीएसआईआर प्रयोगशाला निदेशकों के नेतृत्व में सीएसआईआर की अरोमा मिशन टीम ने सुगंधित फसलों की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास, उन्हें (किस्मों को) किसानों के बीच प्रचलित एवं लोकप्रिय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने तथा लक्षित किसान समूहों के लिए स्थिर आजीविका सुनिश्चित करने में उन्हें निरंतर तकनीकी सहयोग प्रदान करने की दिशा में सहायनीय कार्य किया है। टीम के निरंतर प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लाया गया, बाजार की गतिशीलता को नवीन रूप दिया गया और सुगंधित तेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट विकास के अवसरों को सृजित किया गया तथा सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रौद्योगिकीय एवं प्रक्रियात्मक समाधान उपलब्ध कराए गए जिससे ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन मिला व ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाया गया एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला।

Team – Aroma Mission of CSIR led by CSIR-CIMAP as a nodal lab and associated CSIR labs made exceptional contributions in developing high-yielding varieties of aromatic crops, promoting and popularizing them among farmers, ultimately enhancing farmers' incomes and ensuring a stable livelihood for the targeted farmer groups through consistent technical support. The team's efforts have significantly transformed the rural economy, reshaped market dynamics, and created excellent growth opportunities within the aromatic oil sector and provided comprehensive technological and process solutions across the country thereby encouraging rural entrepreneurship, empowering rural women, and fostering employment in rural areas.